[Conference- Innovation in Music & Dance :January,2015] ISSN- 2350-0530(O) 2394-3629(P)
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v3.i1SE.2015.3459

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

संगीत के प्रचार में इन्टरनेट का योगदान

आशीष मसतकर
शोधार्थी
माता जीजाबाई कन्या महाविद्यालय, इन्दौर

इंटरनेट –

आधुनिक समय में इन्टरनेंट एक ऐसा प्रचार–प्रसार का माध्यम बना हुआ है जिसने संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांध दिया है। सामान्य भाषा में इंटरनेट को नेटवर्क ऑफ नेटवर्क्स कहा जाता है इस नेटवर्क पर सूचनाओं का आदान – प्रदान विद्युत संकेतों के रूप में किया जाता है। इंटरनेट सूचनाओं का आदान – प्रदान करने का साधन है। किसी समस्या के निदान हेतु कहीं भी किसी भी व्यक्ति की सहायता इसके माध्यम से संभव है। अति तीव्र माध्यम से हम जानकारियाँ एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेज सकते है।

इंटरनेट के माध्यम से किए जाने वाले कार्य –

- सूचनाओं का आदान – प्रदान
- खरीददारी, संगीत के परिप्रेक्ष्य में
- संगीत सुनना एवं डाउनलोड करना
- विडियो देखना एवं सुनना
- संगीत शिक्षण संबंधी जानकारियाँ खोजना।
- समारोह आदि का सीधा प्रसारण देखना।
- संगीत शिक्षण ऑन लाईन हेतु आवेदन।
- संगीत सीखने हेतु इंटरनेट का प्रयोग।
- अन्य किसी के सीखने हेतु विडियो आदि अपलोड करना।
- किसी अन्य कम्प्यूटर से फाइल एक्सेस करना।
- डॉक्यूमेंट्स का आदान – प्रदान करना।

यह कार्य सहभागिता तथा आपसी अनुमति के पश्चात् ही संभव हो सकता है।

विद्यार्थी, शोधार्थी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, सरकारी संस्थान बड़ी कम्पनियाँ, सभी उपभोक्ता, बैंकिंग संस्थान मनोरंजन, उद्योग, समाज सेवी, अभिनेता, लेखक, पाठक, संगीतज्ञ आदि इन नेटवर्कों में प्रत्येक नेटवर्क और प्रत्येक कम्प्युटर कुछ निश्चित नियमों के अनुसार परस्पर सूचनाओं का विनिमय करते हैं। हर एक सर्वर, छोटे बड़े कम्प्युटरों को नेटवर्क और सर्वर को आपस में जोड़कर ही इन्टरनेट का दुनियाभर में फैले करोड़ों कम्प्युटरों द्वारा जुड़ाव हो पाता है।

नेटवर्क क्या है ?

हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के संयोग के एक साथ बने नेटवर्क से दूरस्थ स्थित कम्प्यूटरों के मध्य संवाद स्थापित कर दक्षता के साथ एवं मितव्ययता पूर्वक सूचनाएँ एवं बाह्य उपकरणों को साझा करने में मदद मिलती है। नेटवर्क दूर–दूर स्थित स्वतंत्र कम्प्यूटर है।

संगीत के किसी विडियो की एक से अधिक प्रतियाँ तैयार की जा सकती है, जो किसी अन्य साइट पर सुरक्षित किया जा सकता है और एक साइट के काम न करने पर दूसरी के माध्यम से उसे एक्सेस किया जा सकता है।

इंटरनेट कैसे काम करता है ?

वह कम्प्यूटर जो किसी नेटवर्क के स्त्रोतों जैसे प्रोग्राम और डाटा को व्यवस्थित करता है और एक केन्द्रीय संधारण क्षेत्र उपलब्ध करवाता है जिसे सर्वर कहते है। वह कम्प्युटर जो संधारित्र तक पंहुचकर प्रोग्राम या डाटा लेना चाहता है क्लांइट कहलाता है।

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

डोमेन नाम –
इस प्रणाली के अन्तर्गत इंटरनेट द्वारा जुड़े समस्त कम्प्युटरों को शब्दों में नाम प्रदाय होते है अर्थात इस प्रणाली का उपयोग करते समय हम कम्प्यूटर की स्थिति का पता लगा सकते है। इसके साथ ही इन शब्दों से बने डोमेन नाम के साथ कम्प्यूटरों का अंको पर आधारित इंटरनेट प्रोटोकॉल पता भी दिया जाता है। सारांशतः इंटरनेट से जुड़ा प्रत्येक कम्प्यूटर का एक डोमेन नाम व प्रोटोकॉल पता अवश्य होता है।

उदाहरणार्थ :–

.in इंडिया की भौतिक स्थिति के लिए।
res रिसर्च से संबंधित
rnet रिसर्च से संबंधित नेटवर्क

कुछ डोमेन जो किसी भौगोलिक स्थिति पर आधारित नहीं है और इनके साथ किसी देश का कोड नही लगता ये है –

.org उन संस्थानों हेतु जो शिक्षा व वाणिज्यिक क्षेत्र से अलग है।
.edu शिक्षण संस्थानों के लिए।
.net इंटरनेट के अन्दर ही अन्य नेटवर्क संस्थानों के लिए।
.mil सैन्य संस्थानों के लिए।
.gov शासकीय संस्थानों के लिए।
.com वाणिज्यिक संस्थानों के लिए ।

भारत में डोमेन नाम पंजीकरण हेतु NCST (नेशनल सेंटर फॉर सॉफ्टवेयर टेक्नॉलॉजी मुंबई में आवेदन किया जाता है। डोमेन नाम पंजीकरण 2 साल के लिए होता है। डोमेन नाम के पश्चात् edu.org.com लगाया जाता है।

डोमेन नाम के पंजीकरण हेतु Domainreg@sangamnest.ernet से इलेक्ट्रॉनिक विधि से मेल भेजकर प्राप्त करते है। आवेदन पत्र प्रारूप पूर्ण रूप से भेजकर प्राप्त करते है। आवेदन पत्र प्रारूप पूर्ण रूप से भरकर वापस उपरोक्त पते पर भेजने के पश्चात् आवश्यक अर्हताएँ पूर्ण करने के बाद NCST डोमेन नाम पंजीकरण कर लेता है। इस तरह अपनी साइट बना सकते है।

ई–मेल
इलेक्ट्रॉनिक संदेश के जरिए आप अपने रिश्तेदारों, मित्रों, सहयोगियों, ग्राहकों को संदेश भेज सकते है। यह इंटरनेट का सर्वाधिक लोकप्रिय करिश्मा है। सस्ता तथा आसान भी है। प्रदूषण रहित है।

अपनी जानकारी के मुताबिक रूचि के अनुकूल सूचनाएँ प्राप्त करने में महत्वूपर्ण है। शोधकार्य हेतु तो यह एक अद्वितीय सुविधा है। यदि आप किसी संगीतज्ञ से प्रश्नों के उत्तर जानना चाहते है तो ई–मेल में प्रश्नावली टाइप कर भेज सकते है। किसी आमंत्रण के बारे में अपने प्रियजनों को सूचना दे सकते हैं। अलग–अलग तरह की विडियो, ऑडियो फाईल शेयर कर सकते है।

टीवी पर प्रसारित किये जाने वाले किसी सांगीतिक कार्यक्रम का प्रसारण भी प्रसारण अधिकार प्राप्तकर्ता साइट के माध्यम से उपलब्ध हो जाता है।

विभिन्न प्रकार के प्रोग्राम्स बना लिए गए है जिसके माध्यम से आप घर पर ही संगीत रिकॉर्ड कर संरक्षित कर, किसी अन्य को उपलब्ध करा सकते है।
वेब–कैम के माध्यम से संगोष्ठियों को सजीव रूप से दूर रहते हुए भी सम्पन्न किया जा सकता है।

किसी संगीतज्ञ के संगीत को ऑनलाइन खरीदने हेतु आप इंटरनेट का सहारा ले सकते है। यह घर बैठे प्राप्त हो जाता है।
चैट (बातचीत) –

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

किसी संगीतिक विषय पर अपने प्रियजनों से चर्चा इंटरनेट के माध्यम से की जा सकती है। यह त्वरित ही दूसरे व्यक्ति को प्राप्त हो जाता है।

मोबाइल पर भिन्न –भिन्न प्रकार के एप्स डाउनलोड कर उनका उपयोग संगीत मे किया जा सकता है। जैसे एन्ड्रॉइड फोन पर प्ले स्टोर बाज़ार उपलब्ध है जहाँ से तानपूरा एप डाउनलोड कर आप इसे कहीं भी प्रयोग कर सकते है।

इंटरनेट पर ऑनलाइन अकेडमी –

शंकर महादेवन द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित म्यूजिक एकेडमी शुरू की गई है। जिसे http://www.shankarmahadevanacademy.com पर सर्च किया जा सकता है यहाँ कुछ फीस देकर आप हिन्दुस्तानी एवं दक्षिणात्य संगीत के विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्सेस की ट्रेनिंग ले सकते है।
यहाँ अलग–अलग लिंक्स मौजूद है जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण ये है :–

Joy of Singing
Music for Children
Devotional Songs
Joy of singing Hindustani

यह स्कूल, व्यावसायिक एवं शिक्षण हेतु एक उत्तम प्रयास है। शिक्षक भी यहाँ पर अपना पंजीयन करा सकते हैं।
फ्लिपकार्ट, E-Book एप के माध्यम से आप E-Book खरीद सकते है। अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध कुछ पुस्तकें है जो संगीत से संबंधित हैं।

Raga'n Josh
The Music Room
The world of Hindustani Music
My name is Gauhar Jaan
(The Life and time of a musician, English)
Maa Siddheshwari Devi
Bhimsen Joshi : A Passion for Music (English) 1st Edition

इसके अलावा e-books India, Reader Ebooks, Book deals & Sales, अन्य ऑन लाइन बुकखरीदी हेतु एप्स है।

कुछ अन्य साइट्स –

www.tarang-classic-indian-music.com (Dictionary Link)
en.m.wikipedia.org.wiki./music
8tracks.com/explore/Indian-classical

सामाजिक समूह –

फेसबुक जैसे सोशल साइट्स के माध्यम से लोग आपस में इंटरनेट के माध्यम से जुड रहे है। संगीत संबंधी किसी समारोह, सेमिनार आदि से संबंधित जानकारियाँ साझा कर सकते है।

यू–ट्यूब एक विडियो साझा करने वाली वैब साइट है जिसमें पंजीयन कराने के बाद अपने संगीत कार्यक्रम से संबंधित विडियो डाउनलोड कर सकते है एवं अपलोड भी कर सकते है। यह 61 भाषाओं में उपलब्ध है। यह साइट विश्व को एकसूत्र में पिरोने का काम कर रही है। इसका डोमेन नाम www.youtube.com है।

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

इन वेबसाइट्स और एप्स को सर्च करने हेतु सर्च इंजन है जो बहुत सीमित संख्या में भारत में उपलब्ध है।

जिनमें याहू, गूगल,ेा, एम.एस.एन. एवं answer इत्यादि पर भारत के बारे में ढेरों सूचनाएँ एवं जानकारियाँ उपलब्ध है।

ई–मेल सुविधाएँ –

outlook, express, hotmail, gmail आदि।

इसके अलावा ऑनलाइन रेडियो के माध्यम से इंटरनेट की सहायता से उपलब्ध संगीत सुना जा सकता है।

निष्कर्ष – निश्चय ही इंटरनेट के माध्यम से संगीत का प्रचार–प्रसार हो पा रहा है। आज आवश्यकता है केवल उपयोग करने की, सीखने और समझने की। भारतीय भाषाओं में इंटरनेट की उपलब्धता इसे जन सुलभ बनाती है। इंटरनेट की तकनीक जानकारों की संगीत समाज में आज महती आवश्यकता है। इसके माध्यम से हिन्दुस्तानी संगीत का व्यापक प्रचार–प्रसार हो सके। विज्ञ संगीतज्ञों का इसके प्रति उदासीन रवैया बाधक है।

उपसंहार – इंटरनेट पर उपलबध ज्यादातर साइट्स अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। इनका हिन्दीकरण किया जाना आवश्यक है। ब्लॉग लेखन जैसी युक्तियों से संगीत विषय पर लेख लिखकर प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। किंतु जहाँ प्रारंभिक संगीत कला शिक्षा में कम्प्यूटर विषय अनिवार्य नही है वहीं शिक्षण संस्थाओं में ऑनलाइन सामग्री उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्थाएँ नहीं है। पाठ्यक्रम में कम्प्यूटर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

संदर्भ –

विभिन्न वेबसाइट्स, डायनामिक मेमोरी कम्प्युटर कोर्स, विश्व स्वरूप राय चौधरी बेसिक ऑफ कम्प्युटर एण्ड इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलाजी, डॉ. एस.के. विजय, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ एकेडमी भोपाल।